2/8/2024

पत्रा. पेश हुई। वादी व वकील उपस्थित नहीं। वादी वकील को बार-बार आवाज लगवाई गई। लेकिन उपस्थित नहीं। न तो वादी उपस्थित हुआ और न ही वादी वकील उपस्थित। वादी वकील को दावा में तलबी हेतु बार-बार अवसर दिये जा चुके हैं अब और अवसर दिये जाना उचित नहीं। अतः वादी का दावा अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।

फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2024.09.05 16:31:19 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner